भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 1174

उत्तर देने की तारीख 28 जुलाई, 2025

सोमवार, 06 श्रावण, 1947 (शक)

भारत-विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ़) की 'कौशल त्वरक' पहल

1174. श्री हँसमुखभाई सोमाभाई पटेल: श्री मितेश पटेल (बकाभाई):
श्रीमती कृति देवी देबबर्मन: श्री विजय बघेल:
श्री आशीष दुबे: श्री अनूप संजय धोत्रे:
श्रीमती पूनमबेन माडम: श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत-(विश्व आर्थिक मंच) डब्ल्यूईएफ़ 'कौशल त्वरक' पहल के कार्यान्वयन हेतु कुछ विशिष्ट राज्यों या क्षेत्रों की पहचान की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त पहल किस प्रकार हरित ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल प्रौध्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल की कमी को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी; और

(घ) उक्त पहल के अंतर्गत निजी क्षेत्र की भागीदारी या साझेदारी के लिए किए गए प्रावधानों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के सहयोग से दिनांक 08.04.2025 को नई दिल्ली के कौशल भवन में एक उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान "इंडिया स्किल्स एक्सेलेटर" पहल पर विचार-विमर्श किया।

'इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर' का उद्देश्य समावेशी कौशलोन्नयन और पुनर्कौशलीकरण, आजीवन अधिगम में निवेश को जुटाने और सरकार-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने के माध्यम से इन अंतरालों को दूर करना है। त्वरित करियर परिवर्तन को सक्षम बनाकर, स्केलेबल प्रशिक्षण को बढ़ावा देकर और शिक्षा को उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप बनाकर- विशेष रूप से एआई, रोबोटिक्स और ऊर्जा जैसे उच्च-वृदधी क्षेत्रों में - इस पहल का उद्देश्य भारत के युवाओं को सशक्त बनाना और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल विकास की गति को बनाए रखना है। इस पहल में निजी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी है तथा चार में से दो को-चेयर्स निजी क्षेत्र की हैं।

*****